पाठ - 16

विज्ञापन, सूचना और प्रतिवेदन

(i) विज्ञापन

चिकित्सा सम्बन्धी विज्ञापन

जोड़ों के दर्द का पक्का इलाज। हर तरफ से निराश मरीज़ मिलें। सम्पर्क करें - डॉ. हरनेक सिंह, मेन बाज़ार, करनाल। मोबाइल नम्बर - 1456768691

दीमक/कॉकरॉच/चूहों/छिपकलियों/मच्छरों से छुटकारा

दीमक/कॉकरॉच/चूहों/छिपकलियों/मच्छरों से छुटकारा पायें। इस काम में 30 साल का अनुभव। एक बार ज़रूर परख कर देखें। सम्पर्क करें- पवन पैस्ट कंट्रोल, मोबाइल नम्बर- 1887765433

योग सीखिए

पंडित कमलनाथ से योग के सरल आसन मुफ्त में सीखिए। योग प्रशिक्षण का समय प्रात: 6-7 बजे तक तथा शाम को 5-6 बजे तक। सम्पर्क करें - पंडित कमलनाथ, मकान नम्बर- 3456, सेक्टर-18 करनाल। मोबाइल नम्बर - 7891340025

इस प्रकार के विज्ञापन अखबारों, मैगज़ीनों, रेडियो, टेलीविज़न आदि पर पढ़ने, सुनने तथा देखने को मिलते हैं। **विज्ञापन शब्द 'वि' उपसर्ग और 'ज्ञापन' शब्द से बना है। 'वि' उपसर्ग का अर्थ है विशेष और 'ज्ञापन' का अर्थ है ज्ञान या जानकारी देना। अतएव व्युत्पत्ति की दृष्टि से विज्ञापन का अर्थ हुआ - विशेष रूप से जानकारी देना।** जब कोई वस्तु बाज़ार में आती है तो उसके रंग-रूप, उसकी संरचना व गुण की जानकारी विज्ञापन के द्वारा ही मिलती है। इसके द्वारा ही ग्राहक को सही और गलत, बढ़िया और घटिया, सस्ते और महँगे का पता चलता है।

पहले विज्ञापन का अर्थ सूचना देने तक ही सीमित हुआ करता था किन्तु आज के युग में विज्ञापन का अर्थ व्यापक हो गया है। आज विज्ञापन उस कला का नाम है जिसमें उत्पादक अपने उत्पादन के गुण, मूल्य और अन्य आवश्यक जानकारी को लोगों तक सरल, आकर्षक और बड़े ही प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है। लोगों को उस उत्पादन को खरीदने के लिए तरह-तरह के प्रलोभन दिए जाते है। कई बार तो किसी उत्पाद के साथ सौ प्रतिशत गिफ्ट दिया जाता है ताकि ग्राहक को जल्दी आकर्षित किया जा सके। ऋण की सुविधा ने तो विज्ञापन का काम और भी सरल

Scanned with CamScanner

कर दिया है। उत्पादक/डीलर या दुकानदार स्वयं बैंकों से या अन्य ऋण प्रदान करने वाली कम्पनियों से ग्राहक को ऋण दिलाकर एक रुपये के भुगतान पर सशर्त अपना उत्पाद बेच देते हैं तथा बाकी रुपये ग्राहक आसान किश्तों पर अदा करता रहता है। इस तरह की स्कीमों या प्रलोभनों से बाज़ार में लगातार उनके उत्पाद की माँग बनी व बढ़ती रहती है। विभिन्न अभिनेताओं, अभिनेत्रियों, खिलाड़ियों आदि के द्वारा विज्ञापनों को आकर्षक बनाकर लोगों को प्रभावित किया जाता है।

विज्ञापन केवल उत्पादित वस्तुओं के ही नहीं होते बल्कि व्यक्ति के गुणों, अनुभवों आदि के भी विज्ञापन होते हैं। जैसे- एक डॉक्टर अपनी चिकित्सीय योग्यता और अनुभव का इस तरह विज्ञापन देता है कि मरीज़ विज्ञापन पढ़ते ही डॉक्टर के पास दौड़ा जाता है। इसी तरह विभिन्न कक्षाओं और कोर्सों के लिए कोचिंग देने वाले अपनी पढ़ाने सम्बन्धी योग्यताओं, गुणों और अनुभवों को इस प्रकार विज्ञापित करते हैं कि विद्यार्थी वहाँ कोचिंग लेने के लिए चक्कर काटते हैं। इसके अतिरिक्त संगीत, नृत्य, व्यायाम, योग, कुकिंग, सिलाई-कढ़ाई, पेटिंग, ड्राइविंग आदि सिखाने वाले विज्ञापनों की समाचार पत्रों में भरमार होती है। लोग अपनी चीज़ों जैसे ज़मीन-जायदाद, स्कूटर, कार, घर में इस्तेमाल करने वाले विभिन्न तरह के सामान को खरीदने व बेचने के लिए विज्ञापन का ही सहारा लेते हैं। विज्ञापन व्यक्ति के वैवाहिक क्षेत्र में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अखबारों, मैगज़ीनों, इंटरनेट आदि के माध्यम से लोग अपनी योग्यता, कद, आकार, आयु, जाति के साथ अपनी सुंदरता का भी विज्ञापन देते हैं और मनचाहा रिश्ता प्राप्त करते हैं। अधिक क्या कहें, आज के युग को यदि विज्ञापन का युग कहें तो कोई अतिशयोक्ति न होगी।

विज्ञापन तैयार करते समय ध्यान रखने योग्य बातें

1. विज्ञापन का पहला गुण है कि वह उपभोक्ताओं को आकर्षक लगे। विज्ञापन ब्लैक एंड वाइट की जगह रंगीन हो तो अधिक आकर्षक लगता है।

2. विज्ञापन संक्षिप्त होना चाहिए।

3. उसकी भाषा सरल व स्पष्ट होनी चाहिए।

4. विज्ञापन में छल-कपट नहीं होना चाहिए क्योंकि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। यदि एक बार कोई किसी उत्पाद की गुणवत्ता में धोखा खा ले तो फिर वह कभी उस उत्पाद की ओर मुँह नही करता।

6. विज्ञापन का माध्यम भी सशक्त होना चाहिए।

Scanned with CamScanner

7. विज्ञापन में विज्ञापन देने वाले का पूरा पता स्पष्ट होना चाहिए। यदि पते के साथ उसका टेलीफ़ोन नम्बर, मोबाइल नम्बर, ई-मेल आदि की जानकारी भी दी गई हो तो विज्ञापन और भी विश्वसनीय बन जाता है।

विज्ञापन के माध्यम या साधन

1. **ढिंढोरा पीटकर :** पुराने समय में कोई व्यक्ति अपने गले में बड़ा-सा ढोल बजाता हुआ गली-मोहल्लों, बाज़ारों, चौराहे आदि पर खड़ा होकर व्यापारिक कंपनी के माल के गुणों का बखान बढ़ा-चढ़ाकर करता था। धीरे-धीरे यह काम रिक्शे या ऑटो रिक्शे या खुली जीप आदि में माइक लगाकर किया जाने लगा। इस तरह का प्रयोग कम ज़रूर हुआ है किन्तु पूरी तरह से बन्द नहीं हुआ। आज भी कहीं-कहीं पुराने शहरों में रिक्शे या ऑटो रिक्शे के द्वारा लोग अपने उत्पादन का विज्ञापन करते दिखाई देते हैं।

2. **स्टॉल लगाकर :** किसी भी उत्पाद को स्टॉल लगाकर बेचने का भी प्रचलन है। आज घरों के बाहर, बाज़ारों या मेलों, प्रदर्शनियों, संस्थाओं आदि में अपने सामान की बिक्री हेतु या नुमाइश हेतु स्टॉल लगाकर कम्पनियों के कर्मचारी खड़े होते हैं और अपने माल की खूबियाँ लोगों को बताते हैं।

3. **घर-घर जाकर :** कम्पनियों अथवा व्यापारियों के कुछ एजेंट घर-घर जाकर उत्पाद की खूबियों से लोगों को अवगत कराते हैं, माल की बुकिंग करते हैं या मौके पर ही माल बेचते हैं।

4. **इश्तहारी पर्चे :** कुछ कम्पनियाँ अथवा व्यापारी जगह-जगह इश्तहार बाँटकर भी अपने माल अथवा काम का विज्ञापन करते हैं। कई बार वे अपने इश्तहारी पर्चे अखबारों मे रखवाकर अपने माल का विज्ञापन आसानी से कर लेते हैं।

5. **मैगजीनों के द्वारा :** मैगज़ीनों के माध्यम से भी व्यापारिक कम्पनियाँ अपने सामान का विज्ञापन करती हैं। ये मैगज़ीनें साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक और त्रैमासिक होती हैं।

6. **समाचार-पत्रों द्वारा :** समाचार-पत्र तो सदा से ही विज्ञापन का बहुत ही प्रभावशाली माध्यम रहा है। समाचार पत्रों में विज्ञापन को बड़ी ही सरलता व आकर्षक ढंग से पहुँचाया जाता है। अखबार में सिर्फ लिखित व रेडियों में सिर्फ मौखिक रूप में ही किसी वस्तु आदि का विज्ञापन दिया जा सकता है। यह काफी लोकप्रिय व आसान माध्यम है। समाचार पत्रों में लिखित रूप के साथ-साथ विभिन्न चित्रों को भी आवश्यकतानुसार छापा जा सकता है। इनमें विज्ञापन की विषय-वस्तु, आकार, भाषा, रंग, समाचार पत्र के किसी विशेष पृष्ठ आदि में स्थान आदि के अनुसार ही मूल्य अदा करना पड़ता है। जैसे यदि विज्ञापन 20-25 शब्दों

Scanned with CamScanner

का है तो उसका बहुत ही कम मूल्य लगता है और यदि किसी समाचार पत्र के किसी पूरे पृष्ठ पर चित्र सहित रंगीन विज्ञापन छपवाना है तो उसके लिए हज़ारों रुपये का मूल्य चुकाना पड़ता है। समाचार पत्रों की ही तरह विभिन्न पत्रिकाओं में भी विज्ञापन दिए जाते हैं।

7. **रेडियो, टेलीविज़न तथा सिनेमा :** रेडियो, टेलीविज़न तथा सिनेमा हाल विज्ञापन के सशक्त साधन हैं। ये विज्ञापन कुछ सेकंडों अथवा मिनटों के होते हैं। आकर्षकता व सुबोधता इनकी विशेषता है। रेडियो में सिर्फ मौखिक रूप में ही विज्ञापन दिया जा सकता है जबकि टेलीविज़न तथा सिनेमा में लिखित, मौखिक व दृश्य रूप में विज्ञापन दिया जा सकता है।

8. **मोबाइल और इंटरनेट द्वारा :** आज मोबाइल और इंटरनेट विज्ञापन के सशक्त साधन हैं। एस.एम. एस. या ई-मेल के द्वारा तत्काल ही विज्ञापन गंतव्य तक पहुँच जाता है। इसके माध्यम से जहाँ एक ओर क्रय-विक्रय करने में समय की बचत होती है वहीं दूसरी ओर यह साधन सुगम भी है। हालाँकि उपभोक्ता को इसमें अधिक सजग रहने की ज़रूरत होती है क्योंकि इसमें झूठ और फरेब की आशंका बनी रहती है।

9. **वाहनों पर पोस्टर चिपकाकर :** कुछ कम्पनियाँ अपने उत्पाद की बिक्री बढ़ाने के लिए बसों, ट्रकों, टैक्सियों आदि पर भी अपने उत्पाद के प्रभावशाली पोस्टर चिपकाती हैं।

10. **डाक द्वारा :** डाक द्वारा भी कुछ कम्पनियाँ अथवा संस्थाएँ अपने उत्पादों की सूची अथवा विवरणिका, पम्फलैट्स आदि लोगों के घरों अथवा संस्थाओं में भेजकर अपने माल का विज्ञापन करती हैं।

अनेक कम्पनियाँ रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट आदि के लिए विज्ञापन तैयार करने का काम करती हैं। जिस किसी ने भी अपने उत्पाद आदि का विज्ञापन तैयार करवाना होता है वे इनसे सम्पर्क करके अपनी ज़रूरत के अनुसार विज्ञापन तैयार करवाते हैं। किन्तु कुछ भी हो समाचार-पत्रों में छपने वाले विज्ञापन आज भी लोकप्रिय हैं। नीचे इनके कुछ उदाहरण दिए जा रहे हैं:-

ड्राइवर की आवश्यकता है

स्कूल बस के लिए एक कुशल ड्राइवर चाहिए जिसे बस चलाने का कम से कम दस साल का अनुभव हो। आयु 55 साल से अधिक न हो। ड्राइविंग लाइसेंस, घर के पक्के पते व चार तस्वीरों के साथ स्वयं एक सप्ताह के भीतर मिलें। प्रिंसिपल, जागृति पब्लिक स्कूल, सेक्टर-48-सी, चंडीगढ़ -160047

Scanned with CamScanner

माली की आवश्यकता है

एक कुशल माली की आवश्यकता है जो बाग बगीचे का काम अच्छी तरह से जानता हो। सात दिन के भीतर सम्पर्क करें। कोठी नम्बर -बी-254 सेक्टर-14, करनाल, मोबाइल नम्बर- 188899932

स्कूल में दाखिले सम्बन्धी विज्ञापन

सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल, रामपुर में छठी से बारहवीं तक की कक्षाओं के लिए दाखिला शुरू हो गया है। हिंदी, पंजाबी तथा अंग्रेज़ी माध्यम से शिक्षा के अवसर उपलब्ध हैं। होनहार, गरीब तथा कमज़ोर विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का विशेष प्रबन्ध है। अनेक सुविधाएँ, खेलकूद व कम्प्यूटर शिक्षा की समुचित व्यवस्था। आदर्श कुमार, प्रिंसिपल, टेलीफ़ोन- 0178-34436789

कोचिंग सेंटर

प्रतिभा निखार सोसाइटी, चंडीगढ़ द्वारा इंजीनियरिंग/मेडिकल की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी सम्बन्धी निःशुल्क कोचिंग 01.04.2015 से शुरू हो रही है। नए विद्यार्थियों के लिए अलग से प्रबन्ध किया जा रहा है। आने-जाने की सुविधा उपलब्ध है। दसवीं/ग्यारहवीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक नम्बर वाले विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। सम्पर्क करें - डायरेक्टर, प्रतिभा निखार सोसाइटी, चंडीगढ़। टेलीफ़ोन नं. - 0172-1111162

मकान बिकाऊ है

नोएडा (यू.पी) के सेक्टर 16 में एक 10 मरले की बिल्कुल नयी बनी हुई कोठी बिकाऊ है। सम्पर्क करें-हरबंस सिंह, मकान नम्बर - 2156, सेक्टर 16 नोएडा। मोबाइल नम्बर 1765432100

किराये के लिए खाली

दो बैडरूम, ड्राइंग, डाइनिंग रूम, दो बाथरूम ग्राऊँड फ्लोर। सम्पर्क करें : कुलविन्द्र सिंह मकान नम्बर 335, आज़ाद नगर, पटियाला। मोबाइल नम्बर - 2988766667

भ्रमण सम्बन्धी

रेल व हवाई जहाज़ की टिकटें, टैक्सी, होटल बुकिंग व भ्रमण सम्बन्धी सुविधाएँ। भारत में शिमला, नैनीताल, आगरा, दिल्ली, गोवाहाटी, डलहौज़ी तथा विदेशों में बैंकॉक, आस्ट्रेलिया, सिंगापुर जैसे स्थानों में भ्रमण के लिए सम्पर्क करें: प्रीतम टूर एंड ट्रैवल्ज़, टेलीफ़ोन नम्बर - 0172-4444444

Scanned with CamScanner